

एक नजर

देन से कटकर एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के शेख नदी मोड़ के समीप रेलवे ट्रैक पर देन से कटकर एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई है।

मृतक की पहचान दिलीप लोहरा पिंपा स्ट्रोंग लोहरा, थाना चान्दो जिला रांची के रूप में हुई है। वह लाइरेंस में रहकर सत्कर इट भट्ठा में कार्य कर रहा था। सुबह वो अपनी बुआ के घर से इट भट्ठा में मजदूरी करने जाने की बात कहकर धर से निकला था लेकिन रेल से कटकर उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

बालू-इंट के नाम पर एक लाख 12 हजार की ठगी का आरोप



गुमला। गुमला सदर थाना रिथित करमडीय निवासी जिलियापाटा केरकेड़ा ने गुमला सदर थाना में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है, की गुमला सदर थाना रिथित खड़ियापाटा निवासी मो० सफू , जो अपने अपांचे का पार्टी का नेता बताते हुए, बालू, इंट, चिप्स, आदि घर बनाने की सामग्री गिराने के नाम पर, एक लाख 12 हजार रुपया लेलिया और छह मास से उक्त घर बनाने की समीक्षा नहीं गिरा रहा है और बाराबर नालूमटोल करता रहता है, जब चार मास से वह अपना मोबाइल भी नहीं उठा रहा है, गुमला सदर थाना पुलिस मामल की छानबान कर रही है।

संथाल में घुसपैठियों के कारण घट रही आदिवासियों की जनसंख्या

गुमला/लोहरदगा। जनसभा के संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस को मंजूर नहीं था कि वहाँ के संसाधन आपके काम आएं। वहले वह एक रुपये देते थे तो उसमें से 85 पैसा मार लेते थे। आज मैं एक रुपये भेजता हूँ, तो पूरा का पूरा आपके अकाउंट में सीधे जाता है, उहाँने जामुमो और कांग्रेस पर सीधा निशाना साझे हुए कहा की कांग्रेस ओबीसी का हक मुझलानों को दे दांग। कांग्रेस और जामुमों में लूट की जीमी पर कांग्रेस कर रहे हैं, संथाल के घुसपैठियों के कारण, आदिवासियों की जनसंख्या घट रही है। यही खेल बगल में खेल रहा था और यही हाल जारखंड का बनाना चाहते हैं। आज जारखंड में घुसपैठियों के कारण आदिवासियों का हक



आपकी जनसंख्या घटी तो आदिवासियों का हक भी ज्ञामुमो-कांग्रेस उन्हें दे देगी

जीनकर, घुसपैठियों को ठिकाना दे रहे हैं। ये घुसपैठियों आदिवासी भाई बनों की जीमी पर कांग्रेस कर रहे हैं, संथाल में घुसपैठियों के कारण, आदिवासियों की जनसंख्या घट रही है। यही खेल बगल में खेल रहा था और यही हाल जारखंड का बनाना चाहते हैं। जहाँ आदिवासी की जनसंख्या घट रही है और घुसपैठियों की

मोदी की गारंटी की, गाड़ी भी हमने जारखंड के खंडी से शुरू की, इसलिये मैं कहता हूँ की जारखंड और भाजपा का दिल का नाता है, अब 3 मई को जनाना का बोट जारखंड के विकास और सुरक्षा की गारंटी बनने वाला है। बाटी में छेंगी तरह है भ्रष्टाचारी लोहरदगा में चुनावी रेतों को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि आपको यार रखना चाहिए, यह ईंडी गठबंधन ही था जो गढ़पति द्वारा मुमूक्षु के विरोध में था। ये नहीं चाहते थे कि आदिवासी मिलियां बनाने देने पर छोटी बोटों से पूछे तो बाताई की आइसक्रीम खिरदान के लिए मुझे लोहरदगा के लिए बाटी में छेंगी की तरह है। यहाँ योजना जारखंड की घरती से लात की, दुकाकी की घरती से मुद्रा योजना जारखंड की घरती की तरह है। और घुसपैठियों की जनसंख्या घट रही है और घुसपैठियों की इसी तरह

कांग्रेसी बोले- भाजपा को मुहंतोड जवाब देगी जनता



नवीन मेल संवाददाता

जारी। जारी में कांग्रेस पार्टी ने लोहरदगा लोकसभा चुनाव कार्यालय का विधिवाच उद्घाटन गुमला के कांग्रेस विधानसभा प्रभारी संसद कुमाऊ चिनी, प्रखण्ड अध्यक्ष राजेश ठोप्पा, अर्जुन निरंजन लकड़ा व जेएमएम के

प्रखण्ड सचिव नुवेल लकड़ा संयुक्त रूप से फिट कटकर किया तत्परता स्थानिया कांग्रेस के पदाधिकारियों और दूर दराज से आये सेकंड़ा कार्यकारी अंग ने मुंह मीटा कर कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत को भारी मात्रों से विचारी बनाने की बात कहीं वहाँ प्रखण्ड अध्यक्ष

राजेश ठोप्पा ने आगामी लोकसभा चुनाव में कार्यकारीओं से अपील करते हुए कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में पांच गारंटी दी जा रही है। वही विधानसभा प्रभारी रेंसे जीनी नया कहा कि चुनाव का विगुल बज चुका है आप सभी 10 लाईट मोड एक जेन और सुखदेव भगत जी के रूप में जोड़कर लोहरदगा संसद क्षेत्र के सर्वोर्णी विकास में अपना योगदान सुनिश्चित करें वही मौके पर उपस्थित ईश्वर उराँव, हासिबुल खान, अमरस्थी कुजूर, बैजनाथ उराँव, अर्जुन कुमार सहित सैकड़ों कांग्रेस के कार्यकर्ता भी तरह लकड़ा व जेएमएम के

प्रखण्ड संघीय होता है। लड़की ने किसी को कोई जनकारी नहीं दी लैंकिन तबीत विगड़ने के बाद जब लैंकिनों ने पृछताछ किया तो मामले का खुलासा हो गया। थाना प्रभारी कुलदीप राज ठोप्पा ने बताया कि नावालिंग से समूहिक दुकर्कम का मामला दर्ज हाल में घमारी देक गए हैं। किसी को जानकारी दी तो अंजाम ठीक नहीं होगा। सुबह किसी निर्जन लकड़ा व जेएमएम के लिए घर पहुँची है। आरोपित फरार हैं। पुलिस ने पीड़ित लड़की का मेंडिकल चेकअप करकर बायान लेकर छापेमारी की तरह लड़की घर पहुँची। डरी-सहमी

लड़की ने किसी को कोई जनकारी नहीं दी होने गई थी। दो रात जब लड़की शारी समारोह से घर लौट रही थी तो पांच युवकों ने उसे अगवा कर लिया तथा गांव से दूर ले जाकर समूहिक दुकर्कम का मामला दर्ज हो गया। अहले सुबह लड़की को उसी हाल में घमारी देक गए हैं। लड़की के लिए जानकारी दी जाएगी। आरोपित फरार हैं। पुलिस ने आरोपित फरार हैं।

लड़की ने किसी को लेकर छापेमारी की तरह लड़की घर पहुँची। डरी-सहमी

है।

लड़की ने किसी को कोई जनकारी नहीं दी होने गई थी। दो रात जब लड़की शारी समारोह से घर लौट रही थी तो पांच युवकों ने उसे अगवा कर लिया तथा गांव से दूर ले जाकर समूहिक दुकर्कम का मामला दर्ज हो गया। अहले सुबह लड़की को उसी हाल में घमारी देक गए हैं। लड़की के लिए जानकारी दी जाएगी। आरोपित फरार हैं।

लड़की ने किसी को लेकर छापेमारी की तरह लड़की घर पहुँची। डरी-सहमी

है।

लड़की ने किसी को कोई जनकारी नहीं दी होने गई थी। दो रात जब लड़की शारी समारोह से घर लौट रही थी तो पांच युवकों ने उसे अगवा कर लिया तथा गांव से दूर ले जाकर समूहिक दुकर्कम का मामला दर्ज हो गया। अहले सुबह लड़की को उसी हाल में घमारी देक गए हैं। लड़की के लिए जानकारी दी जाएगी। आरोपित फरार हैं।

लड़की ने किसी को कोई जनकारी नहीं दी होने गई थी। दो रात जब लड़की शारी समारोह से घर लौट रही थी तो पांच युवकों ने उसे अगवा कर लिया तथा गांव से दूर ले जाकर समूहिक दुकर्कम का मामला दर्ज हो गया। अहले सुबह लड़की को उसी हाल में घमारी देक गए हैं। लड़की के लिए जानकारी दी जाएगी। आरोपित फरार हैं।

लड़की ने किसी को कोई जनकारी नहीं दी होने गई थी। दो रात जब लड़की शारी समारोह से घर लौट रही थी तो पांच युवकों ने उसे अगवा कर लिया तथा गांव से दूर ले जाकर समूहिक दुकर्कम का मामला दर्ज हो गया। अहले सुबह लड़की को उसी हाल में घमारी देक गए हैं। लड़की के लिए जानकारी दी जाएगी। आरोपित फरार हैं।

लड़की ने किसी को कोई जनकारी नहीं दी होने गई थी। दो रात जब लड़की शारी समारोह से घर लौट रही थी तो पांच युवकों ने उसे अगवा कर लिया तथा गांव से दूर ले जाकर समूहिक दुकर्कम का मामला दर्ज हो गया। अहले सुबह लड़की को उसी हाल में घमारी देक गए हैं। लड़की के लिए जानकारी दी जाएगी। आरोपित फरार हैं।

लड़की ने किसी को कोई जनकारी नहीं दी होने गई थी। दो रात जब लड़की शारी समारोह से घर लौट रही थी तो पांच युवकों ने उसे अगवा कर लिया तथा गांव से दूर ले जाकर समूहिक दुकर्कम का मामला दर्ज हो गया। अहले सुबह लड़की को उसी हाल में घमारी देक गए हैं। लड़की के लिए जानकारी दी जाएगी। आरोपित फरार हैं।

लड़की ने किसी को कोई जनकारी नहीं दी होने गई थी। दो रात जब लड़की शारी समारोह से घर लौट रही थी तो पांच युवकों ने उसे अगवा कर लिया तथा गांव से दूर ले जाकर समूहिक दुकर्कम का मामला दर्ज हो गया। अहले सुबह लड़की को उसी हाल में घमारी देक गए हैं। लड़की के लिए जानकारी दी जाएगी। आरोपित फरार हैं।

लड़की ने किसी को कोई जनकारी नहीं दी होने गई थी। दो रात जब लड़की शारी समारोह से घर लौट रही थी तो पांच युवकों ने उसे अगवा कर लिया तथा गांव से दूर ले जाकर समूहिक दुकर्कम का मामला दर्ज हो गया। अहले सुबह लड़की को उसी हाल में घमारी देक गए हैं। लड़की के लिए जानकारी दी जाएगी। आरोपित फरार हैं।

एक नजर

नावालिंग से दुष्कर्म के अभियुक्त को 25 साल की कारावास

किरीबुरु। नावालिंग लड़कों के साथ दुष्कर्म विवाह को धारा-04(2) पोक्सो में 25 साल कठोर कारावास एवं 20 हजार रुपए जुमारा को सजा न्यायालय ने सुनाई है। इस संबंध में खुलिस अधीक्षक आशुकर शेखर बताया कि मंजारी थाना कड़ सं-56/2020, पोक्सो एक का अधियुक्त सुखलाल विवाह, पिता स्व-जाकानो विवाह, ग्राम बुकड़ा, थाना-मंजारी के विरुद्ध नावालिंग बच्चों से दुष्कर्म के कठोर के आरोप में मापदण्ड दर्ज किया गया था।

डीप बोरिंग की पाइप से जबरन कनेक्शन कर ले रहे पानी

आदित्यपुर। आदित्यपुर नगर निगम के बांड नंबर 20 के गुप्ती बस्ती में सर्वजनिक डीप बोरिंग में कुछ दंग बिस्त के परिवारों द्वारा जबरन पाइप लगाकर अवैध तरीके से घोरों में केंकेशन ले लिया गया है। जिसका स्थानीय लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है। शनिवार सुबह बस्ती की महिलाओं ने अभिलंब करावाई की मांग करते हुए आदित्यपुर थाना में बवाल किया है।

सर्वजनिक बोरिंग से पाइप कनेक्शन जाडों वालों में बस्ती के तकरीबन 10 से 15 परवार हैं।

गेस्ट हाउस से पिस्टल व गोली के साथ तीन गिरफ्तार धनबाद। पुलिस ने गोविंदपुर थाना क्षेत्र के खालिसा होटल के समीप शांति गेस्ट हाउस में छेपेमारी कर तीन अपराधियों को पिस्टल व गोली के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार माने गए में से यमराज, मों, जमशेद व संजैव कुमार शामिल हैं। तीनों पिरिडीह जिले के रहने वाले हैं और उन्हें मृत्युमारी कर रहे थे। गोविंदपुर थाना परिषद व गोप्तारी विवरण में यमराज, पुलिस उन्हें जेल भेजने की तैयारी में थी।

अक्षय तृतीया में न हो कोई बाल विवाह.. लिया गया संकल्प

हैप्पी सैटरडे के दिन बाल विवाह पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित



नवीन मेल संवाददाता। पिरिडीह प्लस टू अच्य विद्यालय, अटका में बनवासी विकास आश्रम, गोदर, पिरिडीह के द्वारा तथा कैलाश सत्यांगी चिल्ड्रेन फाउंडेशन के सहयोग से हैप्पी सैटरडे नामक कार्वाक्रम के अंतर्गत अक्षय तृतीया शुभ मूर्ख बाल विवाह विषयक भाषण प्रतियोगिता तथा चिकित्सा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्वाक्रम में विद्यालय के 100 छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100 छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

ज्यादा प्रभावित लड़कियां होती हैं। कम उम्र शादी कम उम्र में बच्चे जिसका दुष्प्रयणम् मात्र शिशु मृत्यु दर में बढ़ि, खुन से कमी कृपेवित बच्चे जैसे बहुत बीमारियों से ग्रसित हो जाना और अंत में कम उम्र में मृत्यु और कहा इस कृप्रथा को जन जन को जानकारी देना है। शिक्षिका ज्योति कुमारी, अरती कुमारी, गोतांजलि मौणा, निवास पाण्डेय रमेश्वर कुमार सुनील कुमार, रंगीन कुमार राजेश यादव चात्रा, गोतांजलि रमेश्वर कुमारी, दीपिका कुमारी, रानी कुमारी, अशा कुमारी, ज्योति कुमारी, प्रिया कुमारी, कोमल कुमारी निधि कुमारी, प्रेम कुमार, अरुण कुमार, सूरज कुमार, आकाश कुमार बनवासी विकास आश्रम से ओम प्रकाश महतो, रवि कुमार आदि कि प्रावधान है। बाल विवाह होने पर दो वर्ष के सजा तथा एक लाख जुमाने के साथ विवाह के द्वारा चुनाव में जामुरों की प्रत्याशी को जीत होगी। जनन

ग्रामीण मौलिक व बुनियादी सुविधाओं से आज भी हैं वंचित : सुशील बारला



नवीन मेल संवाददाता। पिरिडीह प्लस टू अच्य विद्यालय की मंत्री बेबी देवी द्वारा गांडेय प्रतिष्ठान के द्वारा उनके साथ विद्यालय के लेकर आदिगांव में जनसंपर्क अभियान में उन्होंने ग्रामीणों से मिलकर उनके साथ विवाह करने के लिए प्रेरित किया। उनके साथ है। इस दौरान वे गांडेय विद्यालय की पार्टी कार्यालय में रुक्मी और आगे की राजीनीति पर चर्चा की गई। मौके पर राज संघों, जिला सचिव महालाल से सौरेन, जामुरों प्रबंध विद्यालय के द्वारा विवाह करने के लिए एक विद्यालय के लिए प्रेरित किया।

नवीन मेल संवाददाता। पिरिडीह प्लस टू अच्य विद्यालय की मंत्री बेबी देवी द्वारा गांडेय प्रतिष्ठान के द्वारा उनके साथ विद्यालय के लेकर आदिगांव में जनसंपर्क अभियान में उन्होंने ग्रामीणों से मिलकर उनके साथ विवाह करने के लिए प्रेरित किया। उनके साथ है। इस दौरान वे गांडेय विद्यालय की पार्टी कार्यालय में रुक्मी और आगे की राजीनीति पर चर्चा की गई। मौके पर राज संघों, जिला सचिव महालाल से सौरेन, जामुरों प्रबंध विद्यालय के द्वारा विवाह करने के लिए एक विद्यालय के लिए प्रेरित किया।

नवीन मेल संवाददाता। पिरिडीह प्लस टू अच्य विद्यालय, अटका में बनवासी विकास आश्रम, गोदर, पिरिडीह के द्वारा तथा कैलाश सत्यांगी चिल्ड्रेन फाउंडेशन के सहयोग से हैप्पी सैटरडे नामक कार्वाक्रम के अंतर्गत अक्षय तृतीया शुभ मूर्ख बाल विवाह विषयक भाषण प्रतियोगिता तथा चिकित्सा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्वाक्रम में विद्यालय के 100 छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

कार्यक्रम में विद्यालय के 100

छात्र-छात्राएं भाग लिया जिसमें

चुनावी समीकरण विषय के टूलकिट मुद्दों की निकली हवा

स्वतंत्रता के बाद देश में अभी तक जितने भी लोकसभा
या विधानसभा चुनाव हुए हैं उनमें पहली
बार कांग्रेस के नेतृत्व में बना गठबंधन
हर दृटि से कमज़ोर नजर आ रहा है।
जब से लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस
व इंडी गठबंधन के नेताओं ने प्रचार
अपार्श लिया है उन्हीं से माफ़ना पायी जा

आरम्भ किया है तभी से राहुल गांधी व मृत्युजय दीक्षित उनके प्रवक्ता तमाम मंचों पर केवल एक ही बहस कर रहे हैं कि अगर मोदी जी तीसरी बार 400 सीटों के साथ प्रधानमंत्री बन जाते हैं तो भाजपा सर्विधान को फाड़ कर फेंक देगी। दोबारा चुनाव नहीं। इसके अतिरिक्त यह लोग प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के टीपी फेंक वीडियो वायरल कर झूट फैला रहे हैं। शाह के वीडियो प्रकरण में गिरफ्तारी भी हुई है। चुनाव प्रचार में जुटे प्रधानमंत्री मोदी ने इस फर्जी वीडियो प्रकरण को अपने पक्ष में मोड़कर मुद्दा बनाने में सफलता प्राप्त कर ली है साथ ही। वो सर्विधान और आरक्षण के नाम पर विगत 70 साल में पिछली सरकारों ने जो किया उसे बेनकाब कर रहे हैं। विपक्ष वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार आने के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ आरक्षण विरोधी होने का अभियान चला रहा है। बिहार में 2015 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार और लालू यादव के बीच गठबंधन हुआ था तब इन दलों ने संघ के खिलाफ विष वर्मन किया था। मायावती ने भी एक पुस्तक घर-घर बट्टवाकर संघ को आरक्षण विरोधी करार करने की कोशिश कर चुकी है। अब समय बदल चुका है। यह 2024 की बदली हुई भाजपा और संघ है। दोनों दुष्प्रचार के प्रति पूरी तरह सतर्क और सशक्त हैं। इस बार कंग्रेस नेताओं का यह दाव जमीनी धरातल पर नहीं उतर पा रहा है। संघ ने साफ कर दिया है कि वह हमेशा सर्विधान सम्पत्त आरक्षण का पक्षधर रहा है। संघ का मानना है कि जब तक सामाजिक भेदभाव है या आरक्षण देने के कारण हैं तब तक आरक्षण जारी रहे। राहुल गांधी आजकल भाजपा को सर्विधान विरोधी सावित करने में दिन-रात एक किए हुए हैं जबकि



मृत्युंजय दीक्षित उनके प्रवक्ता तमाम मंचों पर केवल एक ही बहस कर रहे हैं कि अगर मोदी जी तीसरी बार 400 सीटों के साथ प्रधानमंत्री बन जाते हैं तो भाजपा संविधान को फाइ कर फेक देगी। दोबारा चुनाव नहीं। इसके अतिरिक्त यह लोग प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के डीप फेक वीडियो वायरल कर झूट फैला रहे हैं। शाह के वीडियो प्रकरण में गिरफ्तारी भी हुई हैं। चुनाव प्रचार में जुटे प्रधानमंत्री मोदी ने इस फोर्जी वीडियो प्रकरण को अपने पक्ष में मोड़कर मुद्दा बनाने में सफलता प्राप्त कर ली है साथ ही। वो संविधान और आरक्षण के नाम पर विगत 70 साल में पिछली सरकारों ने जो किया उसे बेनकाब कर रहे हैं। विपक्ष वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार आने के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ आरक्षण विरोधी होने का अधियान चला रहा है। बिहार में 2015 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार और लालू यादव के बीच गठबंधन हुआ था तब इन दलों ने संघ के खिलाफ विष वर्मन किया था। मायावती ने भी एक पुस्तक घर-घर बट्टवाकर संघ को आरक्षण विरोधी करार करने की काशिश कर चुकी हैं। अब समय बदल चुका है। यह 2024 की बदली हुई भाजपा और संघ है। दोनों दुष्प्राचार के प्रति पूरी तरह सतर्क और सशक्त हैं। इस बार कांग्रेस नेताओं का यह दांव जमीनी धरातल पर नहीं उतर पा रहा है। संघ ने साप कर दिया है कि वह हमेसा संविधान सम्पत आरक्षण का पक्षधर रहा है। संघ का मानना है कि जब तक सामाजिक भेदभाव है या आरक्षण देने के कारण हैं तब तक आरक्षण जारी रहे। राहुल गांधी आजकल भाजपा को संविधान विरोधी सवित करने में दिन-रात एक किए हुए हैं जबकि

वास्तविकता यह है कि अगर आज आम नागरिक अपने संविधान को जान रहा है, पढ़ रहा है और उसके अनुरूप आचरण करना चाह रहा है और उसके पांचे प्रधानमंत्री मोदी के प्रयास ही हैं। अब हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जा रहा है। भारतीय संविधान को अब वेबसाइट पर आसानी से पढ़ा जा सकता है। नए संसद भवन के उद्घाटन और सेंगोल स्थापना के अवसर पर सदन के सदस्यों को भी संविधान की मूल प्रति दी गई। सच यह है कि संविधान का सत्यानाश कांग्रेस ने ही किया है। इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए संविधान में मलभूत परिवर्तन करके उसमें धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शब्द जोड़कर उसकी आत्मा ही नष्ट कर दी। आपातकाल लगाकर अपनी विकृत तानाशाही मानसिकता का परिचय दिया। मनमर्जी से विपक्षी दलों की प्रदेश सरकारों को गिराया। कांग्रेस के कार्यकाल में संविधान एक परिवार का बंधक होकर रह गया था व एक धर्म विशेष का तुषीकरण कर रहा था। इसी प्रकार कांग्रेस अयोध्या में प्रभु राम की जन्मभूमि और उस पर बन रहे भव्य मंदिर के प्रति भी नकारात्मक रही है। जन-जन के आराध्य प्रभु राम को काल्पनिक कहने वाली कांग्रेस पहले तो मुद्दे को लटकाने और भटकाने के लिए जी जान लगाती रही, इसमें असफल रहने पर अपने मुस्लिम तुषीकरण को मजबूती प्रदान करने के लिए प्राण प्रतिष्ठा समरोह का बहिष्कार कर बैठी। उसके बाद राहुल गांधी व विपक्ष के नेता जनसभाओं में बयान देने लगे कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समरोह में दलित आदिवासी होने के कारण राष्ट्रपति द्वारा पौटी मुर्मू को नहीं बुलाया गया। पिछले दिनों राष्ट्रपति द्वारा पौटी मुर्मू ने अयोध्या में रामलला के दर्शन करके राहुल गांधी के इस झूठ का करारा उत्तर दिया। राम मंदिर के गर्भगृह में राष्ट्रपति की उपस्थिति ने कांग्रेस नेता के आरोप को बुरी तरह से धो डाला। श्रीराम जन्मभूमि तीरथक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने राहुल के बयान को मिथ्या बताया। राहुल गांधी अपनी जनसभाओं में यह आरोप भी लगा रहे हैं कि वहां कोई गरीब, महिला, किसान और युवा दर्शन के लिए नहीं गया।

(घलखक का निजा विवर है।)

प्रेरणा से कामों को गति मिलती है

राजीव थ्रेपड़ी

पहिया वाहन
रहे हैं और अ
समक्ष अच
कोई अन्य व
आता हुआ दि
देता है और
वह टकराने क
है। उस समय
क्या करते हैं ? क्या आप अपने व

उसे काम को सही हांग से नहीं सकते। मान लिया कि आप पढ़ाई रहे हैं, किन्तु यदि आपको यह पत नहीं हो कि पढ़ाई करने से आपको लाभ होने वाला है और पढ़ने के आपको किस विषय में कौन से एग्जाम देने हैं, तो आप भला किस दृष्टि से किसी लक्ष्य से पढ़ाई करेंगे? अथवा पढ़ाई करेंगे? तो इस प्रकार किसीका कार्य को करने के लिए उसकी प्रेरणा निश्चित रूप से आपको मिलने वाला ना कोई लाभ होता है। जिससे आप जीवन को थोड़ा और बेहतर बना हैं और जितना ज्यादा उस कार्य को चले जाते हैं, उतना ज्यादा उसमें पायानी एक्सपर्ट होते चले जाते हैं। बलोंग कहते हैं कि मुझे काम करने प्रेरणा (मोटिवेशन) नहीं मिलती। बात सच है कि किसी भी मोटिवेशन प्रेरणा से कोई भी काम और भी अच्छे तरीके से किया जा सकता लेकिन आप विश्वास कीजिए कि इस उल्ला भी बिल्कुल सच है। मतलब विश्वास को आप जितनी भी अधिक करते हैं, उतना ही उसमें पारंगत चले जाते हैं और जितनी अधिक आप उसे काम को करते हैं। उस अधिक प्रेरित होते चले जाते हैं। क्यों किसी भी कार्य को अधिक से अधिक बार किए जाने के कारण उस अभियान से मिलने वाली सफलता आपको ब खुद प्रेरित करती है। तो जितनी बात सच है कि प्रेरणा से कामों को मिलती है, उतनी ही यह बात भी सच है कि कामों को बार-बार करने से उसे

मिलने वाली प्रेरणा के चलते आपकार्यों को और भी अधिक गति मिलती है। और मजे की बात है कि इससे मिलने वाली प्रेरणाएं भी दुगनी और तिगुनी हो जाती हैं। एक समय ऐसा आता है कि आप स्वतः प्रेरित व्यक्तित्व बन जाते हैं और किसी के द्वारा आपके विषय के अथवा आपके द्वारा किंए जा रहे कामों के विषय में कुछ भी नकारात्मक जाने से, आप नकारात्मक नहीं होते यूँ कहें कि आपको इस बात से नहीं अंतर नहीं पड़ता कि आपके बारे में क्या कह रहा है। इसके अलावा एक और है क्योंकि सच तो यह है की कई दुई बातों से हम केवल मन ही मन प्रेरित होते हैं। किन्तु सफलता की राह में ही मन प्रेरित होने का कोई अर्थ ही नहीं है क्योंकि जब तक हम किसी भी दिशा को करने की दिशा में अपने पांव नहीं लेते और उन पांव को लगाते हुए रहने के लिए सतत अभ्यास व रहने का अपना स्वभाव नहीं बना तब तक हमारा कोई भी काम किसी रूप में हमें कोई सुखद परिणाम नहीं सकता। तो इसके एक अर्थ यह निकाला जा सकता है कि किसी भी दिशा के पूर्ण होने के लिए सबसे पहले कार्य का आरंभ होना आवश्यक किन्तु फिर उसके बाद उस पर सच लत जाना उससे भी अधिक आवश्यक है। किन्तु सबसे बड़ी बात वह सच लतना या किसी भी कार्य में अभ्यास करना किसी भी प्रकार के अनमेनप्राप्त नहीं, बल्कि अपना पूरा मन लगाकर करना ही आपको आपके मनोनेता

परिणाम प्राप्त करवा सकता है। क्योंकि जब तक कि सीधी चीज में आप अभ्यास पूरा मन नहीं उड़ेल देते, तब तक उस कार्य को चाहे कितनी ही बार न कर लें, आप उसमें पारंगत नहीं सकते। इस प्रकार किसी भी विषय पारंगतता प्राप्त करने के लिए केवल मन से किया गया सतत अभ्यास ही सबसे महती आवश्यकता होती है किसी भी कार्य को करने के पास आपको क्या मिलने वाला है, यह उतना ही आवश्यक विषय है। क्योंकि यदि किसी कार्य को करने से आप यदि कोई थोटा चीज मिलाने वाली हो तो आप उसमें उतना मन नहीं उड़ेल सकते लेकिन उससे थोड़ी ज्यादा बड़ी चीज मिलती है, तो अपना मन, अपना अभ्यास और भी अच्छी तरह उड़ेलते हैं और उससे भी बड़ी चीज मिलाने वाली हो तो आपका अभ्यास और भी बढ़ जाता है। तो इसका यह भी अर्थ है कि विषय की भी कार्य को करने पर उसके परिणामों की रूप में आपको आनुपातिक रूप से बड़ा, और बड़ा, और बड़ा लाभ मिलता है की संभावना हो, तो आप उस कार्य करने में अपने आप को पूरी तरह उड़ेल देते हैं। कोई भी काम थोटा नहीं होता, बल्कि आप जिस पारंगतता से किसी कार्य को करते हैं तो जितना ही उसमें धुसरते चले जाते हैं, काम उतना ही बड़ा होता चला जाता है। यानी किसी भी विषय में, किसी भी विषय से कोई व्यक्ति यदि थोड़ा कमाता है तो उसी कार्य से कोई दूसरा व्यक्ति उसके अधिक कमाता है, कोई तीसरा व्यक्ति

उससे अधिक, तो कोई चीथा व्यक्ति
उससे अधिक और कोई पांचवा व्यक्ति
उससे भी अधिक कमाता है और कोई
ऐसा भी व्यक्ति होता है कि वह इस कार्य
से इतना अधिक कमा रहा होता है कि
आपकी आंखें फट जाती हैं। तो इसका
अर्थ केवल इतना ही है कि सबसे ज्यादा
कमाने वाले उस व्यक्ति ने उस कार्य में
छिपे हुए उस विजन को देख लिया, जो
आप लोगों में से किसी ने नहीं देखा। या
फिर उसे व्यक्ति ने उस कार्य में इतनी
अधिक मेहनत की और इससे उसने उसे
कार्य में इतनी पारंगतता प्राप्त कर ली,
कि वह एक अलग ही युक्तिजनक ढंग
से उस कार्य को करने लगा और उसकी
कमाई बढ़ती चली गई। इसी प्रकार यह
माना जा सकता है कि कोई भी बात छोटी
या बड़ी नहीं होती, बल्कि आप उसे बात
को जितना फैलाना और बड़ा करना
चाहते हैं, वह उतनी ही बड़ी होती चली
जाती है किसी चीज से एक रुपया भी
कमाया जा सकता है, सौ भी, हजार भी,
लाख रुपया भी और करोड़ भी। यह
केवल और केवल आपके ऊपर निर्भर
है कि आप उसमें अपना कौन सा विजन
देख पाए हैं अथवा आप उस कार्य में
कौन से सपना डाल पाए हैं। तो जितने
बड़े सपने आप किसी कार्य में डालेंगे,
उतना ही ज्यादा उसको करते हुए आप
और ऊंचे, और ऊंचे, और ऊंचे होते
चले जाएंगे। अंततः इस बात को यूं कहते
जा सकता है कि आप अपनी कल्पना
के अनुसार ही अपना कद, अपनी
प्रतिष्ठा, अपनी कमाई तय करते हैं। तो
किसी भी मंच पर आपने देखा होगा कि

बहुत सारे मोटिवेशनल स्पीकर आपको मिलते हैं। उस सभागार में आप सब मच्च के नीचे बैठे उन्हें सुनते हैं, एक घंटा, दो घंटा, तीन घंटा, चार घंटा, पांच घंटा, यहां तक कि पूरे के पूरे दिन सुनते चले जाते हैं और उन घंटों में उनके लिए आप न जाने कितनी ही बार कितनी ही जेरदार तालिमें बजाते हैं। आपको लगता है कि आप मोटिवेट हो रहे हैं। आप प्रेरित हो रहे हैं। किंतु सच में ऐसा नहीं होता! क्योंकि उस सभागार में बैठे सैकड़ों और हजारों व्यक्तियों के साथ बैठे हुए होने के कारण वहां निर्मित वातावरण के कारण ऐसा ही जाता है कि आप सबका साथ दिए बगैर नहीं हो रह पाते और आपको लगता है कि सामने वाला जो कह रहा है, वह बहुत बेहतर है और वह आपके लिए भी बेहतर है। किंतु सच तो यह है कि सभागार से बाहर निकलने के पश्चात आपके आपके घर तक पहुंचने तक वह मोटिवेशन हर क्षण कम होता हुआ, आपके अपने घर पहुंचने तक अथवा किसी और कार्य में लगने तक पूरी तरह से विदा हो चुका होता है। इस बात का यह अर्थ निकाला जा सकता है कि बाहरी मोटिवेशन कुछ क्षण भर की बात है, लेकिन अपने स्वयं के भीतर पैदा हुआ इमोशन और मोटिवेशन ही सबसे गहरी बात है। हां, यह अवश्य हो सकता है कि उस हाल में किसी को सुनकर कोई बात आपके मन को भा जाए। आपके हृदय को चुम्ब जाए और वह भी हो सकता है कि किसी बात से आप किसी हृद तक प्रेरित हो जाएं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

विवाह भारतीय समाज को मजबूतों का आधार

हृदयनारायण

में आधुनिकता का बुरा प्रभाव पड़ रहा परिवार खूबसूरत संस्था है। लेकिन आधुनिकता की चेपट में है। वस्तु आधुनिकता प्राचीनता का ही हिस्सा है उसी का विकास है। भारत प्राचीन सभ्यता है। इस सभ्यता का सतत विकास हुआ आधुनिकता और प्राचीनता को खण्डों में

दीक्षित वांटा जा सकता। प्राचीन सभ्यता से विकिर्ह होकर बनने वाली आधुनिकता स्वगत योग्य है। लेकिन वर्तमान भारत की आधुनिकता में विदेशी सभ्यता की वरीयता है। प्राचीन भारतीय सभ्यता, दशन और अनुभूति को पिछ़ापान माना है। उधार की विदेशी आधुनिकता ने राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों कुप्रभावित किया है। ऋग्वेद के रचनाकाल के पहले ही भारत संस्कृति और सभ्यता का विकास हो चुका था। भारतीय सभ्यता में परिवार आसीय सांस्टन थे। परिवार के सभी सदस्यों के पास साथ रहने और रमने के सूत्र आज भी दिखाई पड़ते हैं। विवाह पवित्र सामाजिक संस्कार है। इसके विकास में काफी समय लगता होगा। यह सतत प्रवाहमान सामाजिक विकास का परिणाम विवाह ही प्राचीन समाज की मजबूती का आधार रहे हैं। वे नृ और पुरुष के बीच नेह बंधन में बंधे हुए थे। अब उधार आधुनिकता ने 'लिव इन' नाम का दुखद दृश्य प्रस्तुत किया। 'लिव इन' दोनों को संताप में रखत है। भारतीय समाज परिवार में ही विकसित हआ है। परिवार के सभी सदस्यों के सुख-दुःख एक समान रहे हैं। सब साथ साथ रहते थे। साथ-साथ उत्तम मनाते थे। वरिष्ठ नई पीढ़ी के साथ आनंदित रहते थे। बृद्ध परिवारों के संचालक, नीति निमार्त और मुखिया रहे हैं। लेकिन उधार सभ्यता के कारण परिवार के सदस्यों के मध्य अंतसंबंध व अंतर्संबंध नहीं है। सब अलग-अलग रहना चाहते हैं। उनकी विदेशी आधुनिकता के कारण उपरोगितावाद मार्गदर्शी हो रही है। जीवन की सांझ में बृद्ध उपरोगी नहीं दिखाई पड़ते। बृद्ध अवैध हैं। माता-पिता और अन्य वरिष्ठ प्राचीन भारतीय सभ्यता

के परिष्ठ जनों का आदर घर है। वृद्धों की सेवा पुत्रों-पौत्रों का दायित्व है। परिवार के सदस्य वरिष्ठों को घर में छोड़कर अलग रहते हैं। वृद्ध उपवेश नहीं हैं। वे स्वयं अपना शरीर भी नहीं संभाल पाते। शारीरिक जीर्णता के साथ मानसिक संताप भी जुड़े हैं। वृद्ध मानसिक अवसाद में हैं। संवेदनाएं कुचालक हो गई हैं। परस्पर आत्मीयता घटी है। पश्चिम की सभ्यता आधुनिकता बनकर समाज तोड़ रही है। ऐसी सभ्यता से जुड़े विद्वान भारत में स्त्री की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। ऋग्वेद में विवाह नाम के उत्सव का वर्णन बार-बार पठनीय है। ऋग्वेद (10.85) में सूर्य पुत्री सूर्य के विवाह का रोचक वर्णन है। सूर्य प्रकृति की विग्रह शक्ति है। आराध्य हैं। यहाँ उनकी पुत्री के विवाह का उत्सव वर्णन है। यह वर्णन निरा काल्पनिक नहीं हो सकता। ऋग्वेद में विवाह के समय वर कहता है, “हे वधु सौभाग्य वृद्धि के लिए मैं आपका हाथ ग्रहण करता हूँ। तुम मेरे साथ सदा रहना।” अग्नि देवता के चारों ओर सात चक्कर लगाने की परम्परा संतपदी में भी है। सर्वोच्च न्यायपीठ ने इसी सपाह संतपदी को अनिवार्य बताया है। विवाह के पहले पिता का घर ही कन्या का निवास होता है। विवाह के समय ऋषि आशीष देते हैं, “हम आपको पितृकुल से मुक्त करते हैं और पतिकुल से सम्बद्ध करते हैं।” सुन्तुति है कि, “हे इंद्र यह वधु सौभाग्यशाली हो।” पश्चिम प्रभावित भारतीय विद्वान नोट कर सकते हैं कि वैदिक काल में नारी की स्थिति कार्यपालक अधिकारी जैसी है। ऋग्वेद में कहते हैं, “यह नारी पूरे परिवार की प्रतिष्ठा वृद्धि करने वाली हो।” देवों से सुन्तुति है कि, “इसे संतात युक्त सौभाग्यशाली बनाएं।” फिर सामूहिक आशीर्वाद देते हैं, “आप सास, ससुर, ननद व देवर की साम्राज्ञी बनें। पूरे परिवार की स्वामिनी बनें।” प्राचीन काल में स्त्रियां युद्ध में भी विद्वासा लेती थीं। युद्ध साधारण कर्म नहीं है। ऋग्वेद में विष्वला नाम की महिला के पैर टूटने का विवरण है। अश्विनी देवताओं ने टूटे पैर की जगह किसी धातु का कृत्रिम पैर लगाया था। इसी तरह एक महिला मुदगलानी की भी वीरता का उल्लेख है। वैदिक काल की इसी परम्परा के दर्शन रामकथा में भी मिलते हैं। कैरई भी दशरथ के

पुरुष उन्हें लूटना का आत्मानुभव नहीं बल्कि उनका जीवन का एक समाप्ति है। और स्त्री में भेदभाव की बातें व्यर्थ हैं। अधिनिक विदेशी सभ्यता स्त्रियों को सम्माननीय दर्जा नहीं देती। इस सभ्यता ने उन्हें पुरुष से भिन्न अलग वर्ग बनाने के प्रयास किए हैं। वैदिक काल में स्त्री और पुरुष साथ-साथ काम करते हैं। वैदिक समाज का सर्वाधिक प्रिय पेय है सोम। ऋग्वेद के अनुसार पति-पत्नी दोनों ने मिलकर सोम पीसते हैं और साथ-साथ सोमरस का आनंद लेते हैं। साथ-साथ देव स्तुतियां भी गाते हैं। पतियां अपने पतियों के साथ पर्व उत्सवों में हिस्सा लेती थीं। एक मंत्र के अनुसार अभिनव देव से स्तुति है कि वे 33 देवताओं को पतियों सहित यज्ञ उत्सव में लाएं। जीवन दिक्काल के भीतर है। जिसका जन्म होता है उसकी मृत्यु भी होती है। जन्म के बाद धीरे-धीरे शैशव विकसित होता है। सम्भावना का घट टृटा है। जीवन ऊर्जा ऊर्ध्वागमी होती है। तब आती है तरुणाई। तरुणाई भी अत्यकलिक है। सूर्योदाता है। उदित होते हैं। कालरथ का पहिया घूमता है। शरद आती है। हेमन्त, शिशir आते हैं। तमाम पूर्णिमा और बार-बार अमावस्या भी जीवन का संध्याकाल आता है। शरीर जीर्ण होता है। ऊर्जा घटती है। आँखों की ज्योतिर्मयता घटती है। जन्म और मृत्यु के बीच बड़ा फासला नहीं होता। सामान्यतया 60 वर्ष की वय में वृद्धावस्था प्रकट हो जाती है। वृद्ध होना सबकी नियति है। सभ्यता और संस्कृति में वृद्धों के समान को महत्वपूर्ण कर्तव्य बताया गया है। महाभारत के यक्ष प्रश्नों में माता-पिता को श्रेष्ठ स्थान दिया गया है। यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा, “आकाश सबसे ऊंचा है। हे धर्मराज! आप बताएं कि आकाश से ऊंचा क्या है?” युधिष्ठिर ने उत्तर दिया, “पिता आकाश से ऊंचा है!” यक्ष ने फिर पूछा, “पृथ्वी के गुरुत्व और भार से भारी क्या है?” युधिष्ठिर ने उत्तर दिया, “माता पृथ्वी से भारी है। माता सुषि की आदि अनादि अनुभूति है। हम सब मां का विस्तार हैं।” हमरे भीतर माता और पिता दोनों की उपस्थिति है। लेकिन जीवन की सांझ में वे एकाकी हैं। वे चाहते हैं कि पौत्र और पौत्रियां उनका हाल-चाल लें। उनसे बातें करें। वे डाँटें तो हम उनकी डाँट खाकर भी प्रसन्न रहें। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

**युनाव पर चंचा
मायोग की कोशिश है
जन प्रतिशत बढ़ना चाहिए**

स्वास्थ्य के लिए सार्वजनिक वित्तपोषण में वृद्धि

खर्च (ओओपीई) में लगातार गिरावट दर्ज की गयी है, 2014-15 के 62.6% से घटकर 2019-20 में 47.1% गया है। एनएचए के अनन्तिम अनुमानों के अनुसार, गिरावट यह रुझान आगे भी जारी रहा है और ओओपीई की हिस्सेदारी 2020-21 में घटकर 44.4% और 2021-22 में 39.4% गयी है। 2014-15 के बाद, 7 वर्षों की अवधि में ओओपीई में 37% की हुई यह अभूतपूर्व कमी, हमारे नागरिकों के निवास के एक बड़ी राहत लेकर आई है। विशेष रूप से, कोविड महामारी से प्रभावित वर्षों (यानी 2020-21 और 2021-22) के दौरान, ओओपीई में गिरावट जारी रही। वायरस के भी प्रभाव कारण अविश्वसनीय रूप से स्वास्थ्य संबंधी देखभाव की अत्यधिक आवश्यकताओं को पृष्ठभूमि में ओओपीई में बदला आना बाकई असाधारण है। यह स्वास्थ्य प्रणाली की सुटूँड़ी सेवाओं की सुलभता और वित्तीय सुरक्षा के लिए सरकार हमें उठाए गए विभिन्न उपायों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है। पिछले दशक के दौरान ओओपीई में गिरावट का एक नियमित एवं निश्चित रुझान कई कारकों के कारण संभव हुआ है। पीएमजेरवाई के तहत स्वास्थ्य संबंधी आश्वासन के कारण से लोगों को भारी बचत हो रही है। यह अनुमान लगाया गया है कि अपनी शुरूआत के बाद से 6.5 करोड़ से अधिक मुफ्त अस्पताल में भर्ती होने के प्रावधान के जरिए एबी - पीएमजेरवाई ने लोगों को ओओपीई में 1,35,000 करोड़ रूपये की संचयित बचत प्रदान की है लाभार्थियों को कैंसर सहित गंभीर बीमारी के लिए शल्य चिकित्सा और चिकित्सीय उपचार का लाभ हासिल करने के लिए संपत्ति उधार लेने या बेचने की जरूरत नहीं है। राष्ट्रीय नमना सर्वेक्षण (2017-18) के अनुसार, विशेष रूप से आंतरिक रोगी देखभाल और संस्थागत प्रसव के निवास की सुविधाओं के उपयोग में बढ़ोतारी हुई है। मुफ्त एम्बुलेंस सेवाओं, मजबूत सरकारी माध्यमिक व तृतीयक स्तर की सेवाएँ और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (जिसके तहत 2016 से 2.59 करोड़ से अधिक मुफ्त डायलिसिस आयोजित किए गए हैं) ने ओओपीई के बोझ को रोकने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दवाएं और डायग्नोस्टिक्स जेब होने वाले फुटकर खर्चों के प्रमुख कारक होते हैं। तुम्हारे 1,69,000 से अधिक अयुग्मान आरोग्य मर्दिरों (एएस

स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों) सहित विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों में मुफ्त दवाओं एवं निदान सबधारे सेवाओं में लगातार सुधार से आम परिवारों को बड़ी वित्तीय बचत हुई है। उपकेन्द्र एएम 105 दवाएं और 14 नैदानिक परीक्षण निःशुल्क प्रदान करते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एएम को 172 दवाएं और 63 नैदानिक परीक्षण मुफ्त प्रदान करने का आदेश दिया गया है। जैसा कि एएम में अनिवार्य है, गैर-संचारी रोगों (जैसे उच्च रक्तचाप और मध्यमेह) की प्रार्थिक जांच एवं मुफ्त उपचार, लोगों के स्वस्थ जीवन को लंबा करेगा और भविष्य में होने वाली जीवन के लिए घातक गंभीर जटिलताओं के इलाज पर होने वाले विनाशकारी खर्चों से बचाएगा। आज, व्यावहारिक रूप से सभी जिलों में 10,000 से अधिक जन औषधि केन्द्रों के जरिए 1,900 से अधिक गुणवत्ता पूर्ण जेनेरिक दवाएं और लगभग 300 सर्जिकल आइटम कम कीमत पर बेचे जा रहे हैं। अनुमान बताते हैं कि 2014 से अब तक इस योजना से उपभोक्ताओं को 28,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। इसी तरह, कोरोनरी स्टेंट, अथोर्पेंडिक घुटने के प्रत्यारोपण, कैंसर की दवाओं और अन्य आवश्यक दवाओं के मूल्य विनियमन से लोगों को प्रति वर्ष 27,000 करोड़ रुपये की बचत होती है। क्रमबद्ध तरीके से प्रायः सभी आर्थिक सर्वेक्षणों में सरकार द्वारा स्वास्थ्य संबंधी व्यय में वृद्धि की प्रवृत्ति की भी रिपोर्ट की गई है। सकल घरेलू उत्पाद के हिस्से के रूप में, यह वित्त वर्ष 2020-21 में 1.6 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2021-22 (संशोधित अनुमान) में 2.2 प्रतिशत था। स्वास्थ्य सेवाओं और वस्तुओं पर व्यय के अलावा, आर्थिक सर्वेक्षणों के अनुमानों में स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण सामाजिक निर्धारकों, अर्थात जल आपूर्ति और स्वच्छता पर खर्च को भी शामिल किया गया है। सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता का स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। 2019 में जल जीवन मिशन के शुराबंध के समय केवल 3.23 करोड़ (कुल 19.4 करोड़ में से) ग्रामीण परिवारों (यानी 17 प्रतिशत) के पास नल के पानी की पहुंच थी। अब तक, 14.7 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों (यानी 76 प्रतिशत) के पास घरेलू नल कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक बार जब हर ग्रामीण घर में नल का पानी उपलब्ध हो जाता है, तो इससे 5

साल की अवधि में कुल 4 लाख लोगों की जान बच जाएगी। इसी तरह, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अनुमान लगाया है कि स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) - ग्रामीण के तहत ग्रामीण भारत खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) होने से, 2014 और अक्टूबर 2019 के बीच 3,00,000 से अधिक मौरी (दस्त और प्रोटीन-ऊर्जा कुपोषण के कारण) से बचाव संभव हुआ है। सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि के रुझान और आम लोगों पर स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर व्यय के बोझ में लगातार कमी के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं पर सरकारी व्यय और स्वास्थ्य सेवा पर सामाजिक सुक्ष्मा योजनाओं की बढ़ती हिस्सेदारी, एक अधिक प्रगतिशील स्वास्थ्य प्रणाली की ओर सकारात्मक कदम का सकेत देती है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (जिसका उद्देश्य मेडिकल कॉलेज और नए एम्स बनाना है), प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (गंभीर देखभाल इकाइयां आदि बनाने के लिए) और आपातकालीन प्रत्युत्तर तथा स्वास्थ्य प्रणाली तैयारी पैकेज (जिसका उद्देश्य बाल चिकित्सा और वयस्क आईसीयू आदि विकसित करना है) जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर के समर्थन को लेकर मिलने वाली धनराशि से देश के स्वास्थ्य सर्वांगी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिल रही है। इसके अलावा, 15वें वित्त आयोग के तहत स्थानीय निकायों को स्वास्थ्य अनुदान (70,000 करोड़ रुपये की राशि) भी प्राथमिक स्वास्थ्य प्रणाली में डाला जा रहा है। इन पूँजीगत व्यय के बल पर न केवल देश में स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित परिसंपत्तियों का निर्माण संभव हो रहा है, बल्कि सरकार द्वारा दीर्घावधि में राजस्व व्यय में भी वृद्धि होगी। साथ ही, केंद्र और राज्यों द्वारा समग्र सरकारी स्वास्थ्य व्यय में और वृद्धि होगी। भारत की स्वास्थ्य प्रणाली निकट भविष्य में व्यापक स्वास्थ्य करेज को वास्तविकता बनाने के लिए सुधार-निष्पादन-परिवर्तन के पथ पर अग्रसर है। इस प्रयास में, स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सरकारी वित्तपोषण में वृद्धि और आम लोगों द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं पर खर्च के बोझ में कमी के हालिया रुझान सही दिशा में है।

- डॉ. विनोद के पॉल नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) हैं। लेख में वक्त किए गए विचार लेखक के निजी हैं।

न जना प्रबुद्ध योग्यतान् सत्सनात्कं पाठत् हृषकराण्
एंड इलेक्टोरल पार्टिसपेशन (एसवीईपी) को सशत् रूप से संचालित किया है। राज्यों और जिलों ने कानून मतदान प्रतिशत वाले निर्वाचन क्षेत्रों को लक्षित किया है। अतः भारी भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कई स्थानीय विशिष्ट क्रियाकलाप किए गए हैं। आयोग ने दूसरे चरण की मतदान प्रक्रिया में कुछ महानगरीय शहरों में मतदान प्रतिशत में आई गिरावट को गंभीरता से लिया है। आयोग को उम्मीद है कि अगले चरणों में शहरी मतदान केंद्रों में मतदान के प्रति मतदाताओं की रुचि काफी बढ़ेगी। पहले चरण के मतदान में गिरावट के बाद आयोग ने महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को अतिरिक्त योजनाओं को लागू करने का निर्देश दिया। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के तीरों की पहचान करने के लिए तीसरे और चौथे चरण में कम मतदान वाले जिलों (2019 के आंकड़ों के आधार पर) के जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ अलग-अलग बातचीत की आयोग का कहना है कि यह सुखद है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने सात मई को होने वाले आम चुनाव के तीसरे चरण के लिए गर्मी को लेकर कोई बड़ी चिंता नहीं जताई है। मौसम सामान्य रहने का पूर्वानुमान किया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत परामर्श जारी किया गया है कि मतदाताओं को गर्मी के मौसम में हाल में श्रेष्ठतम सुविधा मिले। आयोग के सोशल मीडिया सेल ने अभियान 'आई एम इलेक्शन एप्पसेडर' शुरू किया है। बीसीसीआई के सहयोग से आईपीएल 2024 के दौरान विभिन्न स्टेडियमों में मतदाता जागरूकता संदर्भ और गणे बजाए जा रहे हैं। क्रिकेट के दिवाज उपचारों के लिए तेंदुलकर द्वारा पूर्व-स्ट्रिकोर्ड किए गए बीडियो संदेश में मतदाता प्रतिज्ञा विभिन्न आईपीएल स्थानों पर दिलाई जा रही है। सभी फेसबुक यूजर्स को मतदान दिवस के लिए सतर्कता संदेश भेजा गया है।

— 66 —

किसानों के लिए बीमा भुगतान का सीधा ट्रांसफर होगा : सरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकरुन्नु खड़गे ने पार्टी को देश के किसानों की खुशहाली के लिए समर्पित बताया और कहा कि किंद्रे में कांग्रेस की सरकार बनने पर फसल बीमा की गारंसी संधि किसानों के खाते में भेजी जाएगी। खड़गे ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर के माध्यम से कहा कि किसानों के लिए बीमा भुगतान का सीधा ट्रांसफर होगा। कांग्रेस गारंटी देती है कि फसल बीमा को खेत और किसान के अनुरूप बनाया जाएगा।



गढ़बंधन की सरकार बनी तो किसानों का होगा कर्ज माफ़ : अखिलेश बद्री

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शनिवार के बद्री में कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने के बाद की गारंटी नहीं हुई। किसान लागत लगाने और मेहनत करने के बाद भी खुशहाल नहीं हो पा रहा है। किसानों की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।



जिन्हें जिहाद से है प्यार, ते पाकिस्तान जाएँ : सीएम योगी भारत की धरती राम-कृष्ण की है, जिहाद की नहीं

जिनके आकाओं ने पहले देश बाटा आज यही लोग जिहाद की बात कर रहे हैं

एजेंसी। फरखबाद

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदिल्याथ ने कहा है कि जिहाद की बात करने वालों को शर्श आनी चाहिए। इनके आकाओं ने पहले देश का बदबोह किया था और आज वे लोग जिहाद की बात कर लोकतंत्र कर रहे हैं।

सीएम ने चेतावनी दी कि जिहाद से आप हैं तो भूखे मरने वाले भिखारी पाकिस्तान के पास जाएँ, जो दो जून रोटी के लिए तरस हो।

मुख्यमंत्री योगी आदिल्याथ ने फरखबाद से सांसद व भाजपा प्रत्यार्थी मुकेश राजपूत के लिए शनिवार को जनसभा कर बोट मांगा। कांग्रेस व बसपा पर हमलावर सीएम ने कहा कि जिन लोगों ने गरिमों के हार्ड पर डैकेती डाली औं दियांगों को भी नहीं छोड़ा, ऐसे लोगों को जिहाद की बात आप नहीं है। वे जान लें कि भारत की धरती राम-कृष्ण की है, जिहाद की नहीं।

सीएम ने कहा कि अपने 2014 के पहले वर्ष आप बाद कांग्रेस की बात कर रहे हैं। तब देश आतंकवाद व नक्सलवाद से त्रस्त था। गरिमों को शासन की योजनाएँ नहीं मिल पाती थीं। जिन्हें भारत की प्राप्ति अच्छी ही लगती थी, वे हो गयी थीं भ्रात्याकार करते थे। सीएम योगी ने भारत व उपर के विकास की चर्चा की और कहा



प्रधानमंत्री पर राहुल की टिप्पणी से रायबरेली में आक्रोश, चुनाव आयोग से हस्तक्षेप की मांग रायबरेली। राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री पर की गई अभद्र टिप्पणी पर उन्ने निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली में खासा आक्रोश है। लोग इस तरह की टिप्पणियों की बात कर रहे हैं। उन्नें चुनाव आयोग से संज्ञान लेने की मांग कर रहे हैं। उन्नें चुनाव आयोग ने द्वारा में समृद्ध के अंदर जो और दर्शन करने को ड्रामा बताया था। डलमऊ बड़ा मठ के महंत महामंडेश्वर स्वामी देवेन्द्रनांद गिरि ने कहा कि यह बिल्कुल ही अनुचित, अशोभनीय व्यवहार है। सनातन स्थलों को लेकर इस के बायन का न केवल निन्दा ही बल्कि अपने आयोग को इसका संज्ञान लेना चाहिए। उन्नें कहा कि रायबरेली की जनता इसका जावाब उठाएं दें। सेवानित इंजीनियर अवधेश नारायण त्रिपाठी कहते हैं कि राहुल को बेकुरी और अमान्यादित टिप्पणियों के कारण ही कांग्रेस की यह हालत हुई है। पार्टी को इस विषय पर चिंतन करना चाहिए। त्रिपाठी के अनुसार प्रधानमंत्री के पांच की गणित है, जिसका खाली स्थानों को रखना चाहिए। विदेशी की जनता सब देख रही है। विषय साहित्यकार योग्यता प्रताप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी का ध्यान अपनी पर्दी की ओर नहीं है, वह हर बात पर जिस तरह से प्रधानमंत्री मारी को धोते हैं और असंसदीय भाषा का प्रयोग करते हैं। वह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। जनता का समर्थन इसपर नहीं भिलित बल्कि उठाने जाता है। एजेंसी 2 अप्रैल को बाइडेन ने कहा था कि जिन लोगों ने गरिमों के हार्ड पर डैकेती डाली औं दियांगों को जिहाद की बात आप नहीं है। वे जान लें कि भारत की धरती राम-कृष्ण की है, जिहाद की नहीं।

कि 2022 में यहां आकर कहा था कि गंगा मैया पर बनने वाला पुल जल्द शुरू होगा। अब कार्य विकास की प्रारंभ हो चुका है।

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

कि 2022 में यहां आकर कहा था कि गंगा मैया पर बनने वाला पुल जल्द शुरू होगा। अब कार्य विकास की प्रारंभ हो चुका है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुखाबादी चुर्चे गना, लेकिन अब फरुखाबाद को एसप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है।

पहले नारा

लगता था कि फरुख



स्पोर्ट्स

IPL®
क्रिकेट महासभा

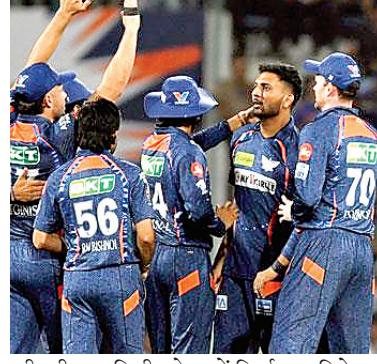
डालनगंज(मेदिनीनगर), उत्तराखण्ड, 05 मई 2024

10

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एजेंसी। लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग में लोअरॉफ की ओर बढ़ रही लखनऊ सुपर जयंट्स (एलएसजी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीमें गवावर को जब एक-दूसरे के सामने मैदान में होंगी तो उनका इदाह जीत के साथ अवधि चार में अपनी जगह का बाज मजबूत करने पर होगा। मुंबई इंडियन्स को उपरे घूम्ल मैदान पर कम स्कोर वाले मैच में 24 रन से मात देने के बाद केकेआर को नाम 14 अंक हो गये हैं और टीम प्ले ऑफ बल्लालाफिकशन के बेंदर करीब है। ऐसे में लोअरॉफ राहत की अवधि में एलएसजी पर दबाव होगा कि वह श्रेष्ठ अंदर पर की टीम के खतरे से बचने का गत्ता खोजे। एलएसजी के 10 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ 12 अंक हैं और वह टीम केकेआर से सिर्फ़ एक पायदान नीचे तीसरे नंबर पर है। चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद (12 अंक) को जीत चेन्नई सुपर किंग्स (10 अंक) और नई दिल्ली कैपिटल (10 अंक) भी मार्गदर्शी के साथ शोषण चार में जाह चाने की दौड़ में बनी हुई हैं। एलएसजी को यह बहुत एकाना स्टेडियम में अपने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 145 रन के मार्गुली लक्ष्य का पीछा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी



पढ़ी। टीम अधिकारी ओवर में सिर्फ़ चार विकेट से जीत हासिल कर सकी।

कपान राहुल और हरफनमौला मार्कस स्टोइन्स ने एलएसजी के लिए अच्छा प्रश्रयन किया है और वह देखना होगा कि क्या दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी विकेट डिक्क को युवा अशिंसन कुलकर्णी के स्थान पर बायास लाया जाता है। कुलकर्णी ने विकेट मैच में पारी का शुरूआत की थी। निकोलास पूर्ण ने इस सत्र में अब तक अर्धशतक नहीं बनाया है लेकिन उन्होंने कई मौके पर अधिकारी ओवर की टीम के लिए तीजी से रन बनाए हैं। वह हालांकि मुंबई के खिलाफ रन बनाने में संघर्ष करते हैं।

लखनऊ सुपर जयंट्स : केशल राहुल (कपान और विकेटकीपर), दीपक हुड़ा, मार्कस स्टोइन्स, निकोलास पूर्ण, अशुष बद्दानी, कुणाल पंड्या, रवि विश्वानी, शनीवर उल-हक, यश ठाकुर, मोहिन खाल, शमर जोसेफ

कोलकाता नाइट राइडर्स : सुनील नारायण, फिल साल्ट (विकेटकीपर), अंगकुष्ठ रुद्रवीर, श्रेयस अंदर (कपान), वेंकेटेश अंदर, रिकू सिंह, आदेर सोल, मानुषीदीप सिंह, शिशेल स्टार्ट, हरित राणा, वरुण चक्रवर्ती

पढ़ी। टीम अधिकारी ओवर में सिर्फ़ चार विकेट से जीत हासिल कर सकी।

कपान राहुल और हरफनमौला मार्कस स्टोइन्स ने एलएसजी के लिए अच्छा प्रश्रयन किया है और वह देखना होगा कि क्या दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी विकेट डिक्क को युवा अशिंसन कुलकर्णी के स्थान पर बायास लाया जाता है। कुलकर्णी ने विकेट मैच में पारी का शुरूआत की थी। निकोलास पूर्ण ने इस सत्र में अब तक अर्धशतक नहीं बनाया है लेकिन उन्होंने कई मौके पर अधिकारी ओवर की टीम के लिए तीजी से रन बनाए हैं। वह हालांकि मुंबई के खिलाफ रन बनाने में संघर्ष करते हैं।

यूरोप दौरे के लिए भारतीय जूनियर पुरुष टीम घोषित, रोहित कसान



एजेंसी। नई दिल्ली

हाँकी टीम 23 मई को ब्रेडा में नीदरलैंड की बल्ब टीम ब्रेडेस हाँकी वेसिनिंग पुश से खेलेगी, उसके बाद 28 मई को जमीनी के खिलाफ जमीनी में खेलेगी। टीम 29 मई को अपने दौरे के अंतिम मैच में एक बार पिर कर्मनी से खेलने के लिए ब्रेडा लौटेगी। टीम का नेतृत्व डिफेंडर रोहित करेंगे जबकि शरदानंद तिवारी को उनका डिफी बनाया गया है। कपान रोहित ने हाँकी इंडिया के हावले से कहा, "हम अपने कैप में कड़ी बैंगन कर रहे हैं और एक-दूसरे के खेल को बेहतर तरीके से साझा रहे हैं। दूसरे दोनों की टीमों के खिलाफ एक साथ खेलेगी, ताकि टीम को अनुभव प्राप्त करने में मदद मिल सके। वे अपना पहला मैच 20 मई को बेलियम के एंटरवर्प में बेलियम के खिलाफ खेलेंगे, उसके बाद 22 मई को नीदरलैंड के ब्रेडा में बेलियम के खिलाफ दूसरा मैच खेलेंगे। इसके बाद भारतीय जूनियर पुरुष

हाँकी टीम 23 मई को ब्रेडा में नीदरलैंड की बल्ब टीम ब्रेडेस हाँकी वेसिनिंग पुश से खेलेगी, उसके बाद 28 मई को जमीनी के खिलाफ जमीनी में खेलेगी। टीम 29 मई को अपने दौरे के अंतिम मैच में एक बार पिर कर्मनी से खेलने के लिए ब्रेडा लौटेगी। टीम का नेतृत्व डिफेंडर रोहित करेंगे जबकि शरदानंद तिवारी को उनका डिफी बनाया गया है। कपान रोहित ने हाँकी इंडिया के हावले से कहा, "हम अपने कैप में कड़ी बैंगन कर रहे हैं और एक-दूसरे के खेल को बेहतर तरीके से साझा रहे हैं। दूसरे दोनों की टीमों के खिलाफ एक साथ खेलेगी, ताकि टीम को अनुभव प्राप्त करने में मदद मिल सके। वे अपना पहला मैच 20 मई को बेलियम के एंटरवर्प में बेलियम के खिलाफ खेलेंगे, उसके बाद 22 मई को नीदरलैंड के ब्रेडा में बेलियम के खिलाफ दूसरा मैच खेलेंगे। इसके बाद भारतीय जूनियर पुरुष

केंद्र ने प्याज के निर्यात से हटाया प्रतिबंध, न्यूनतम निर्यात मूल्य 550 डॉलर प्रति टन

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच किसानों के लिए खुशबूझबरी है। केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात का न्यूनतम समर्थन मूल्य 550 डॉलर प्रति टन तय किया है। विदेश व्यापार

महानिवेदालय (डीजीपीएफटी) ने शनिवार को जारी अधिसूचना में कहा कि प्याज के निर्यात पर लगा प्रतिबंध को हटाया जा रहा है। अधिसूचना के मुकाबले विषय के नियमों को प्रतिविधि के बदल कर मुक्त विषय में लाया जा रहा है। इसका न्यूनतम निर्यात मूल्य तत्काल प्रभाव से अलाने आदेश तक 550 डॉलर प्रति टन होगा। इससे पहले दो रात केंद्र सरकार ने धेरेलू बाजार में प्याज की कीमतों पर नियन्त्रण के लिए इसके निर्यात पर 40 फॉन्सी का शुल्क लगाया था। उल्लंघनीय है कि केंद्र सरकार ने करोंव छह महीने बाद प्याज के निर्यात पर लगा प्रतिबंध को हटाया है। सरकार का यह कदम महाराष्ट्र के व्यापारियों के लिए एक बड़ी राहत है क्योंकि यहां प्याज की फसल का एक बड़ा होस्ता होता है।

सेबी का अडाणी समूह की छह कंपनियों को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने अडाणी समूह की कम से कम छह कंपनियों को कारण बताओ नोटिस भेजा है। सेबी ने इनको यह नोटिस संबंधित पक्ष लेन-देन के कारण उल्लंघन और सुचीबद्ध नियमों का अनुग्रहन नहीं करने के लिए जारी किया है। शेष बाजार को दी गई सूचना में इन कंपनियों ने इसका खुलासा किया है। समूह की इन कंपनियों में अडाणी एंट्रप्राइजेज, अडाणी पोट्स एंड सेसल इंकोमाइनिंग, अडाणी एन्जी सल्व्यूशन, अडाणी ट्रेटल गैस और अडाणी विमान शामिल हैं।

कोटक बैंक का मार्च तिमाही में मुनाफा 18 फीसदी बढ़कर 4,133 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के कोटक बैंक मिंडिंग बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के नियंत्रे का एलान किया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में बैंक का मुनाफा 18 फीसदी बढ़कर 4,133 करोड़ रुपये रहा है। बैंक के नियंत्रक मंडल ने पांच रुपये के लाभांश देने की सिफारिश की है। कोटक महिंद्रा ने शनिवार को शेषर बाजार को दी जानकारी में बताया कि 31 मार्च को समाप्त जनवरी-मार्च तिमाही में बैंक का मुनाफा 18 फीसदी बढ़कर 4,133 करोड़ रुपये रहा है।

स्पोर्ट्स

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

यूरोप दौरे के लिए भारतीय जूनियर पुरुष टीम घोषित, रोहित कसान

केंद्र ने प्याज के निर्यात से हटाया प्रतिबंध, न्यूनतम निर्यात मूल्य 550 डॉलर प्रति टन

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत होगी चुनौती

</div

